- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 सीमांचल डेवलपमेंट फ्रंट ने दलित व मुस्लिम को डिप्टी सीएम बनाने की मांग

04 प्रत्येक सुझावों और प्रतिक्रियाओं पर गंभीरतापूर्वक किया जाएगा विचार : डीएम

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, बृहस्पतिवार, 05 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 244

ईडी ने आप सांसद संजय सिंह को किया गिरफ्तार

ईडी ने संजय सिंह के आवास पर छापेमारी की

उनको ईडी के ऑफिस ले जाया गया जहां उनका बयान दर्ज किया गया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को दिल्ली सरकार के आबकारी नीति घोटाला मामले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। आआपा ने कहा है कि भाजपा सरकार राजनीतिक प्रतिशोध में ऐसा कर रही है। वहीं, भाजपा नेताओं ने कहा है कि आबकारी नीति घोटाले में आआपा नेताओं ने दिल्ली सरकार के करोड़ों के राजस्व को चूना लगाया है। उसी का यह प्रतिफल है।

सूत्रों ने बताया कि आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लार्न्ड्रिंग के एक मामले में ईडी ने आज सुबह करीब सात बजे संजय सिंह के 131 नार्थ एवेन्यू आवास पर छापेमारी की। संजय सिंह को ईडी के ऑफिस ले जाया गया जहां उनका बयान दर्ज किया गया।

अब उन्हें गुरुवार को कोर्ट के समक्ष पेश किया जा सकता है। जहां जांच एजेंसी उनकी हिरासत की मांग करेगी। इसके साथ ही करीब 900 करोड रुपये के इस आबकारी नीति घोटाला मामले में दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बाद आआपा के दूसरे बड़े नेता की गिरफ्तारी है। विधायक मनीष सिसोदिया जेल में बंद हैं। सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी ने इस मामले में सिसोदिया को 09 मार्च को पूछताछ के बाद तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया।

आबकारी नीति घोटाला मामले की जांच के दौरान बिजनेसमैन दिनेश अरोड़ा ने संजय सिंह के नाम का जिक्र किया था। अरोड़ा इस समय सरकारी गवाह बन गये हैं। उनका कहना है कि संजय सिंह ने ही उन्हें दिल्ली के तत्कालीन राजस्व मंत्री मनीष सिसोदिया से मिलवाया था। संजय सिंह के आवास पर आज सुबह ही ईडी के अधिकारियों ने छापेमारी की थी। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता उनके घर पर पहुंच गए और भाजपा के खिलाफ जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करने लगे। इसके चलते अतिरिक्त पुलिस बल भी वहां तैनात किया गया था।

संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगले साल चुनाव होने वाले हैं ऐसे में यह विपक्ष को रास्ते से हटाने की साजिश है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लगातार अलग-अलग मुद्दों को लेकर उनकी पार्टी पर आरोप लगा रही है। यह केवल आरोप है और इससे जुड़ी जांच में अभी तक कुछ हासिल नहीं हुआ है। जांच एजेंसी को संजय सिंह के खिलाफ भी कुछ नहीं मिला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिक्किम के मुख्यमंत्री से बात की

नई दिल्ली। सिक्किम में बादल फटने से आई बाढ़ को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से दूरभाष पर बात की। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है। प्रधानमंत्री ने सभी प्रभावित लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रार्थना भी की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा, "सिक्किम के मुख्यमंत्री पीएस तमांग से बात की और राज्य के कुछ हिस्सों में दुर्भाग्यपूर्ण प्राकृतिक आपदा के मद्देनजर स्थिति का जायजा लिया। चुनौती से निपटने में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मैं प्रभावित सभी लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रार्थना करता हूं।" सिक्किम में मंगलवार देर रात बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने से कई लोग लापता हो गये हैं।

ईडी के छापे पर बोली भाजपा–शराब घोटाले के मुख्य सरगना अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए आम आदमी पार्टी को वसूली करने वाली पार्टी बताया। बुधवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आवास को घोटाले और वसूली का अड्डा बना दिया है जहां बैठकर उनके इशारे पर उनकी पार्टी के सांसद संजय सिंह वसूली करते हैं। आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह के आवास पर जांच एजेंसी ईडी के छापे पर प्रतिक्रिया देते हुए गौरव भाटिया ने अरविंद केजरीवाल को चुनौती देते हुए इस मामले में तुरंत प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की बात कही और 32 लाख रुपये की सच्चाई सभी के सामने आनी चाहिए। आरोपी दिनेश अरोड़ा ने केजरीवाल को 32 लाख रुपये देने का दावा किया है, तो सच्चाई सभी के सामने आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की साढ़ेसाती कट्टर ईमानदार अरविंद केजरीवाल पर असर कर रही है। आज उनके बाएं हाथ संजय सिंह के यहां भी जांच एजेंसियों ने छापा मारा है। देश और दिल्ली की जनता जानती है कि शराब घोटाले के मुख्य सरगना अरविंद केजरीवाल है। अपने आप को आम आदमी बताने वाले ये लोग अब इतने खास हो गए हैं कि ये करोड़ों का शराब घोटाला करते हैं और फिर कहते हैं कि हम पर कार्रवाई राजनीतिक द्वेष के कारण हो रही है। न्यूज क्लिक पर हो रही कार्रवाई पर गौरव भाटिया ने कहा कि पत्रकारिता का चोगा ओढ़कर भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त कुछ लोग चीन से आर्थिक सहायता ले रहे हैं। राष्ट्र सुरक्षा से जुड़े गंभीर आरोपों के आधार पर न्यूज क्लिक पर कार्रवाई हो रही है। इस मामले में पत्रकारिता को बदनाम करने वाले कुछ पत्रकारों और घमंडिया गठबंधन के कुछ नेताओं का घिनौना चेहरा सामने आया है।

न्यूजक्लिक पर चीन के समर्थन में प्रचार करने के लिए धन लेने का आरोप लगाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज किया बिहार दौरा

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज पटना आएंगे। वे भाजपा के भीष्म पितामह के नाम से जाने जाने वाले कैलाशपति मिश्र की 100वीं जयंती पर पटना के बापू सभागार में भाजपा के समारोह में शामिल होंगे। जयंती में बिहार भाजपा के सभी बड़े नेता भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के अनुसार नड्डा पूर्वाह्न 11:00 बजे पटना एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे, जहां बिहार भाजपा के बड़े नेता उनका स्वागत करेंगे। वहां से वे बापू सभागार के लिए रवाना हो जाएंगे। रास्ते में 11 जगहों पर भाजपा कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद वे जयंती समारोह को संबोधित करेंगे।

बापू सभागार में कार्यक्रम के बाद जेपी नड्डा शाम चार बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में पहले महिला मोर्चा के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

इसके बाद वे भाजपा कार्यालय में ही आयोजित युवा मोर्चा के कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के बाद नड्डा भाजपा कार्यालय में पार्टी के विधायक और सांसदों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। इसके बाद उनके अंतिम कार्यक्रम में भाजपा कोर कमेटी की बैठक भाजपा कार्यालय में ही होगी। वे देर रात दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

उज्ज्वला के लाभार्थियों को मिलने वाली सब्सिडी में 100 रुपये की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मिलने वाली एलपीजी सब्सिडी को मौजूदा 200 रुपये प्रति सिलेंडर से बढ़ाकर 300 रुपये प्रति सिलेंडर करने को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार ने रक्षा बंधन और ओणम के अवसर पर घरेलू उपयोग के लिए एलपीजी सिलेंडर के दाम में 200 रुपये की कटौती की थी। अब सरकार ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को दी जा रही सब्सिडी को 100 रुपये और बढ़ाया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद ही राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इस फैसले की विस्तृत जानकारी दी है।

तरजीह अब कोई भी बड़ा अखबार/चैनल ऐसे जुनूनी लोगों को जगह नहीं देता।

पक्षकार स्वयं पत्रकार बनकर पत्रकारिता की गरिमा को लगा रहे बट्टा: हसन

बीएनएम@ राँची। पक्षकार अब स्वयं को पत्रकार घोषित कर रहे हैं। पत्रकारिता की गरिमा और साख पर बट्टा लग रहा है। निष्पक्षता की अब नई परिभाषा गढ़ी जा रही है। उस पर डिजिटल मीडिया के नाम पर आई बाढ़ ने रही सही कसर को पूरा कर दिया है।

फिर भी लोगों की उम्मीदें आज पत्रकारों से जुड़ी हैं। गली, मोहल्ले, गांव, कस्बे, जनपद, राज्य एवं देश के मुद्दों की आवाज़ हम पत्रकार ही बनते हैं। इसलिए सबसे अधिक निशाने पर पत्रकार ही होते हैं। सत्ता को आईना दिखाने की कीमत चुकानी हमें पड़ती है। कहीं पत्रकारों को अलगाववादी समर्थक तो कहीं नक्सली बताकर जेलों में ठूंस दिया जाता है। उनमें से कोई एक पत्रकार भी किसी बड़े न्यूज चैनल

अथवा बड़े अख़बार के नहीं होते, क्यों कि बड़े उद्योगिक घरानों के पत्रकार तो 2 जून की रोटी के लिए केवल चाकरी कर रहे होते हैं, उनके पास पत्रकारिता के लिए समय ही कहां होता है और न ही उनके मालिकों की अनुमति होती है। पत्रकारिता में दो प्रकार के लोग जुड़े हुए हैं, एक इसे पेशा समझ कर नौकरी करने वाले, दूसरे मिशन के तहत देश समाज के हितों के लिए कार्य करने का जुनून रखने वाले।

इनकी संख्या बहुत ही कम है, कयोंकि अब कोई भी बड़ा अखबार/चैनल (अडानी, अंबानी, बिरला, उषा मार्टिन) ऐसे जुनूनी लोगों को जगह नहीं देता, वहां धंधेबाजों और चाटूकारों की बड़ी पूछ होती है। देश के किसी भी बड़े घोटाले का खुलासा कभी किसी बड़े बैनर के अखबार ने कभी नहीं किया है, हां दावा वे ज़रूर करते हैं, छोटे अखबारों के कारनामों को अपने नाम से प्रचारित करने का।मध्यम एवं छोटे अखबार, चैनल ने ही आज पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखा है।

जातीय गणना में पूरी पारदर्शिता बरती गई, विपक्ष का आरोप आधारहीन : सुनील कुमार

देशभर में जातीय जनगणना की पहल करे केन्द्र सरकार- जयंत राज

बीएनएम@पटना। बिहार सरकार ने मद्य निषेध मंत्री सुनील कुमार ने बताया कि पिछले एक-डेढ़ वर्षो से ड्रोन एवं अन्य आधुनिक तकनीकों की मदद से उन क्षेत्रों में चल रहे शराब भट्टी को ध्वस्त किया जा रहा है जहां प्रशासन को पहुंचने में अमूमन काफी दिक्कतें होती थी। उन्होंने कहा कि कुछ इलाकों से छिटपुट घटनाएं जरूर सामने आती है लेकिन इसका तात्पर्य यह नहीं है कि पुलिस का मनोबल कमजोर हुआ है।

वह बुधवार को जदयू कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा अवैध रूप से शराब निर्माण एवं कारोबार में संलिप्त माफियाओं को सिर्फ बिहार ही नहीं बल्कि अन्य प्रदेशों से भी गिरफ्तार किया गया है। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार शराबबंदी को लेकर कितनी गम्भीर है। विपक्ष की ओर से जातीय गणना पर उठाये गये सवाल पर उन्होने कहा कि जातीय गणना में पूरी पारदर्शिता बरती गई है। सरकार पर बेबुनियाद आरोप लगाना उचित नहीं है। अगर विपक्ष के पास कोई आधार है या गड़बड़ी होने के पुख्ता प्रमाण है तो उसे सार्वजनिक करना चाहिए।

लैंड फॉर जॉब मामलें में पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव एवं उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को जमानत मिलने पर सुनील कुमार ने कहा कि न्यायालय का यह फैसला स्वागतयोग्य है। मौके पर मौजूद लघु एवं जल संसाधन मंत्री जयंत राज ने कहा कि जातीय गणना राज्य के हित में है। इस मामले में विपक्षी पार्टियों को राजनीति करने से बचना चाहिए। अगर भाजपा को लगता है कि आंकड़े जुटाने में कोई गड़बड़ी या चूक हुई है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्वयं पूरे देश में जातीय जनगणना करा लेना चाहिए ताकि देश समेत बिहार की भी वास्तविक स्थिति साफ हो जाएगी। उन्होंने कहा कि बिहार में जातीय गणना का कार्य सम्पन्न होने के बाद अब देशभर में इसकी मांग उठने लगी है।

आर्थिक और सामाजिक स्थिति को सामने आने के बाद से ही राज्य सरकार विकास की मुख्यधारा से अलग हो चुके कुछ वर्गों को सशक्त बनाने के लिए नये सिरे से इस योजनाओं की रूपरेखा तैयार करेगी और उसका प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन भी होगा।

सीमांचल डेवलपमेंट फ्रंट ने दलित व मुस्लिम को डिप्टी सीएम बनाने की मांग की

बीएनएम@अररिया

नीतीश की कथनी और करनी में फर्क नहीं है तो फ़ौरन एक दलित डिप्टी सीएम व सीमांचल से एक मुस्लिम को डिप्टी सीएम बनायें।

सीमांचल डेवलपमेंट फ्रंट के महासचिव शाहजहां शाद ने जातीय जनगणना रिपोर्ट आने के बाद दलित और मुसलमान को बिहार का डिप्टी सीएम बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि पिछड़े, दलित व मुसलमानों को उनके हक़ के हिसाब से राजनैतिक हिस्सेदारी नहीं मिल पा रही है।

बिहार में लगभग 18 फीसदी मुस्लमानों की आबादी में पांच मंत्री हैं।वहीं 14 फीसदी यादव की जनसंख्या में 13 मंत्रालय तेजस्वी यादव ने रखा है। वही 15 फीसदी स्वर्णो में 6 मंत्री का होना इस बात का प्रमाण है कि नीतीश कुमार का नारा जिसकी जितनी आबादी सत्ता में उसकी उतनी ही हिस्सेदारी महज जुमला है। अगर नीतीश कुमार की कथनी और करनी में फर्क नहीं है तो बिहार सरकार में फ़ौरन एक दलित डिप्टी सीएम व बिहार के सबसे पिछड़े इलाके सीमांचल से एक मुस्लिम कंडीडेट डिप्टी सीएम अवश्य बनायें।

आने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में आबादी के हिसाब से मुसलमान और दलितों को प्रतिनिधित्व करने का मौका देने की मांग की। सीमांचल डेवलपमेंट फ्रंट के महासचिव ने कहा कि माय समीकरण में मुस्लिम की आबादी यादवों से ज्यादा है तो उनकी भागीदारी भी अधिक होनी चाहिए। मुस्लिम अब बंधुआ नहीं रहे है, वो राजनैतिक रास्ता बनाना सीख चुके है पिछले विधानसभा चुनाव में इस बात की चेतावनी मुस्लिम वोटरों ने खुले तौर दे दी थी।

नहाय–खाय के साथ ही गुरुवार से शुरू होगा जीवित्पुत्रिका व्रत, शनिवार को होगा पारण

बीएनएम@पटना। सनातन हिंदू धर्म में कई प्रकार के व्रत-त्योहार सालों भर मनाए जाने का विधान है। जिसमें पति, पुत्र, धन-धान्य, सौभाग्य और सुख समृद्धि की कामना की जाती है। इन्हीं त्योहारों में से एक है आश्विन मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला जीवित्पुत्रिका व्रत (जिउतिया)। सप्तमी तिथि को नहाय-खाय के साथ इस व्रत का शुभ काल शुरू होता है और अष्टमी तिथि को महिलाएं निर्जला अखंड व्रत करती हैं। जबकि इस बार महिलाओं को इस व्रत में बहुत कठिन परीक्षा देनी होगी। करीब 30 घंटा से अधिक समय तक उन्हें निराहार रहना होगा।

ज्योतिष अनुसंधान केंद्र गढ़पुरा के संस्थापक पंडित आशुतोष झा ने बताया कि सप्तमी में नहाय-खाय के बाद प्रदोष काल में अष्टमी प्रवेश से जिउतिया व्रत शुरू होता है। उन्होंने बताया कि गुरुवार पांच अक्टूबर को सुबह 9:08 बजे तक षष्टी तिथि उसके बाद शुक्रवार को सुबह 9:35 बजे तक सप्तमी तिथि रहेगा। पांच अक्टूबर गुरुवार को व्रती नहाय-खाय करेगी तथा शुक्रवार को अहले सुबह 4:28 बजे तक ओठघन होगा। शुक्रवार की सुबह से उपवास शुरू हो जाएगा।

शनिवार को अष्टमी तिथि सुबह 10:32 बजे तक रहेगा। उसके बाद 10:33 में नवमी तिथि का प्रवेश होने के साथ ही जिउतिया का पारण भी शुरु होगा। उन्होंने बताया है कि जीवित्पुत्रिका व्रत मां द्वारा अपनी संतान की लंबी आयु, तथास्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, संतान प्राप्ति की कामना के साथ किया जाता है। कहा जाता है कि जब महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण ने अपने पुण्य कर्मों को अर्जित करके उत्तरा के गर्भ में पल रहे शिशु को जीवनदान दिया था। इसलिए यह व्रत संतान की रक्षा की कामना के लिए किया जाता है। मान्यता है कि इस व्रत के फलस्वरुप भगवान श्रीकृष्ण संतान की रक्षा करते हैं। अशिवर्वाद भी देते है।

पूर्व विधायक राजीव नंदन के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुआ के पूर्व विधायक राजीव नंदन के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि राजीव नंदन एक कुशल राजनेता एवं समाजसेवी थे। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने राजीव नंदन के छोटे भाई मनीष कुमार से दूरभाष पर बात कर उन्हें सांत्वना दी। साथ ही दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

जातीय सर्वे के व्यक्तिगत आंकड़े सार्वजनिक होने पर सुशील ने राज्य सरकार से पूछे सवाल

बीएनएम@पटना

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि न्यायालय में शपथपत्र देकर जब राज्य सरकार ने जातीय सर्वे के सभी व्यक्तिगत आंकड़े सार्वजनिक नहीं करने की बात कही थी, तब उपेंद्र कुशवाहा के परिवार के आंकड़े जारी होना भी कई सारे सवाल खड़े करता है। सुशील मोदी ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि जदयू प्रवक्ता के पास ये आंकड़े कैसे और कहां से आये ?

इसमे कितने लोगों के ऐसे आंकड़े कितने लोगों को लीक किये गए? ऐसे सवालों का उत्तर सरकार को देना होगा। उन्होंने कहा कि कुशवाहा या किसी भी व्यक्ति के आंकड़े जारी करना निजता के अधिकार का उल्लघन और कोर्ट की अवमानना है। सुशील मोदी ने कहा कि सर्वे में फर्जीवाड़ा होने और कई जातियों की संख्या बहुत कम या बहुत ज्यादा दर्ज करने की शिकायतों को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जातीय सर्वे को पूरी तरह त्रुटिहीन और प्रमाणिक बता कर मुख्यमंत्री सारी गड़बड़ियों पर पर्दा डाल रहे हैं।

मादक किसी भी प्रकार का नशा करने से आप अपने परिवार, रिश्तेदारों को भी धोखा दे रहे हैं।

धनतोला के समीप 13.67 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर गिरफ्तार हुआ

बीएनएम@किशनगंज

रविकांत द्विवेदी, कार्यवाहक कमान्डेंट, 19वी वाहिनी के दिशा निर्देशन एवं गुप्त सूचना के आधार पर बी-समवाय धनतोला के एस.एस.बी. के जवानों द्वारा निरीक्षक, राजकुमार पांडे की अगुवाई में विशेष गश्त के दौरान नशे के कारोबार एवं तस्करी करने वाले लोगों के खिलाफ शिकंजा कसते हुए भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या 127 से लगभग 04 किमी. (भारत की ओर) दुर्गा मंदिर धनतोला के समीप एक तस्कर को 13.67 ग्राम संभावित, ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया।

गौर करे कि विशेष गश्त दल द्वारा देखा गया कि व्यक्ति मोहामारी गांव की ओर से आ रहा था और जैसे ही उसकी नज़र बल के गश्ती दल पर पड़ी तो वह भागने लगा, गश्ती दल द्वारा तस्कर को खदेड़ कर पकड़ लिया गया और पुछताछ एवं तलाशी लेने पर व्यक्ति के पास से 13.67 ग्राम संभावित, ब्राउन शुगर बरामद किया और तस्कर को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर तस्कर ने अपना नाम मो० अजहर अली, पिता-मो० हसीबुल रहमान, ग्राम-खारीवाल टोला-मोहामारी, पोस्ट-धनतोला, थाना-दिघलबैंक, जिला किशनगंज बताया। इस तस्कर द्वारा ब्राउन शुगर को अवैध रूप से भारत से नेपाल ले जाया जा रहा था।

जबकि मादक पदार्थ तस्करी का यह एक संदिग्ध मामला होने के कारण तस्कर को प्राप्त ब्राउन शुगर के साथ थाना दिघलबैंक को सौंप दिया गया, जिसे पुलिस द्वारा अग्रिम कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जायेगा। कार्यवाहक कमान्डेंट, 19वी सशस्त्र सीमा बल रविकांत द्विवेदी, ने कहा कि आज कल के अधिकांश युवा किसी न किसी नशे की लत की गिरफ्त में हैं, जिससे उनका भविष्य गहरे अंधकार की ओर बढ़ता ही जा रहा है। हम सभी को यह समझना आवश्यक है कि, किसी भी प्रकार का नशा करने से आप न केवल अपने आप को बल्कि अपने परिवार, रिश्तेदारों को भी धोखा दे रहे हैं। पढ़े लिखे होने के बावजूद युवा यह भी जानते हैं कि नशा कोई भी हो जानलेवा ही होता है, फिर भी नशे की ओर खिंचते चले जाते हैं। ऐसे में देश के हर एक युवा को यह समझने कि आवश्यकता है कि इस देश के युवा ही इस देश के भविष्य है। यह समझते हुए हर युवा को दृढ़ संकल्पित होकर नशा का त्याग करके अपना एवं अपने देश की भविष्य को उज्जवल बनाने की शपथ लेने की आवश्यकता है। हर युवा को इस नशे की लत को तिलांजलि दे देना चाहिए।

तीन दिन से हो रही झमाझम बारिश से गंडक नदी उफान पर

बगहा। पड़ोसी देश नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र और पहाड़ी क्षेत्रों में पिछले तीन दिन से रुक-रुक कर हो रही बारिश से गंडक नदी के जलस्तर में फिर एक बार वृद्धि जारी है। गंडक बराज द्वारा बुधवार की शाम को एक लाख अस्सी हजार सात सौ क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जिससे गंडक के जलस्तर में वृद्धि जारी है।गंडक बराज के अभियंता प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि जल स्तर में वृद्धि को देखते हुए गंडक बराज के सभी 36 फाटक को आंशिक रूप से खोल दिया गया है। उन्होंने बताया कि पानी की बढ़ती स्थिति के मद्देनजर गंडक बराज पर तैनात सभी अधिकारी और कर्मचारियों को हाई अलर्ट कर दिया गया है। गंडक बराज के जल स्तर में बनी वृद्धि को देखते हुए रात दिन बराज पर कैंप किया गया है तथा पल-पल की रिपोर्ट पर नजर रखी जा रही हैं। नेपाल के जल ग्रहण व पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बारिश के कारण गंडक नदी का जलस्तर बढ़ता जा रहा है।

शैक्षणिक माहौल को सुदृढ करना पहली प्राथमिकता -बीईओ

बीएनएम@केसरिया

निवर्तमान बीईओ बिंदा महतो की सेवानिवृत्त होने के बाद कोटवा के प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी उपेन्द्र कुमार सिंह को केसरिया का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। नवपदस्थापित प्रभारी बीईओ श्री सिंह ने बुधवार को अपना योगदान किया है। वहीं नवपदस्थापित बीपीएम अनिल कुमार ने भी योगदान किया। इधर, टीईटी/एस टीईटी उतीर्ण शिक्षक संघ द्वारा बीआरसी परिसर में अभिनंदन व सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जहाँ पूर्व बीईओ श्री महतो को ससम्मान विदाई दी गई।

वही नये प्रभारी बने बीईओ श्री सिंह व बीपीएम को शिक्षक संघ के महासचिव ओम प्रकाश सिंह आदि लोगों ने अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रभारी बीईओ ने कहा कि इस क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले यहां के सभी विद्यालयों में शैक्षणिक माहौल को और सुदृढ करना पहली प्राथमिकता होगी।

वहीं सेवानिवृत्त बीईओ श्री महतो ने केसरिया में अपने कार्यकाल के दौरान शिक्षकों व लोगों से मिले सहयोग के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर दिनेश यादव, संदीप कुमार दीप, कुंदन कुमार, सुशील कुमार, वासुदेव राम, जीतेश पाठक, जीतेन्द्र सिंह, परमात्मा दास, सुरेन्द्र दूबे, मुन्ना अभिषेक, अफसर खान, रंजीत कुमार, अनिल कुमार, सुरेश कुमार, औरगंजेब खान, शाईस्ता प्रवीण सहित अन्य लोग यहां पर उपस्थित रहे।

संकल्प सप्ताह कार्यक्रम के तहत पंचायतों में आज चलाया जाएगा सफाई अभियान

बीएनएम@केसरिया। संकल्प सप्ताह कार्यक्रम के तहत प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में तिथिवार कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसका आयोजन तीन से नौ अक्टूबर तक किया जा रहा है। जानकारी देते हुए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत तीन अक्टूबर को सुन्दरापुर में स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया।

जिसमें करीब दो सौ मरीजों का इलाज कर उन्हें आवश्यक दवा उपलब्ध करायी गई। चार अक्टूबर को विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण मेला का आयोजन होना था। लेकिन सेविका/सहायिकाओं के हड़ताल के कारण इसका आयोजन नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि पाँच अक्टूबर को स्वच्छता शिविर/सफाई अभियान चलाया जाएगा। इस दिन क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में स्वच्छता दौड़ के अलावा स्वच्छता से स्वास्थ्य की ओर आदि विषयों पर परिचर्चा की जाएगी। वहीं छह अक्टूबर को कृषि मेला के माध्यम से लोगों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ हीं इस मेला में कृषि संबंधित उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगायी जाएगी। उन्होंने बताया कि सात अक्टूबर को क्षेत्र के विभिन्न प्राथमिक व मध्य विद्यालयों में शिक्षा मेला का आयोजन होगा।

जिसमें डिजिटल साक्षरता विषय पर निबंध व पेंटिंग प्रतियोगिता करायी जाएगी। साथ ही बालिका शिक्षा विषय पर परिचर्चा का आयोजन होगा। वहीं आठ अक्टूबर को जीविका मेला का आयोजन कर पीएम विश्वकर्मा योजना को लेकर रजिस्ट्रेशन का कार्य किया जाएगा। इसके अलावा इस दिन बिजिनेस आईडिया, डिजिटल मार्केटिंग आदि को लेकर जानकारी भी दी जाएगी। वहीं, नौ अक्टूबर को इसका समापन समारोह भी किया जाएगा। समापन समारोह में कृषि उत्पाद की प्रदर्शनी लगायी जाएगी। साथ हीं इस दिन पुरस्कार वितरण भी किया जाएगा। उन्होंने लोगों से इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

आमोदेई व पखनहिया पंचायत में ग्राम सभा का वार्ड सदस्यों ने किया विरोध

रामगढ़वा। सरकार के निर्देश पर बीते 2 अक्टूबर को प्रखंड क्षेत्र के आमोदेई व पखनहिया पंचायत में हुए ग्राम सभा का बहिष्कार उक्त पंचायत के वार्ड सदस्यों ने किया है। ग्राम सभा के बहिष्कार को लेकर बुधवार को रामगढ़वा प्रखंड मुख्यालय स्थित वार्ड सभा कार्यालय में वार्ड सदस्यों की एक बैठक संपन्न हुई। जिसमे यहां के करीब दो दर्जन से अधिक वार्ड सदस्य उपस्थित थे।

इस बैठक के बाद आमोदेई के उप मुखिया मोहम्मद रूहुल्लाह उर्फ बच्चा बाबू , पखनहिया पंचायत के उप मुखिया मोहम्मद ऐसुदीन खान सहित कई वार्ड सदस्यों हासिम मिया, सुशीला देवी आदि ने हस्ताक्षर कर युक्त आवेदन को बीडीओ व बीपीआरओ को देकर बताया है कि दोनों पंचायतो के मुखिया अपने मनमाने ढंग से वार्ड सदस्यों को बिना सूचना दिए कागजो में ही आम सभा कराकर मनमानी ढंग से योजनाओं का चयन कर लिया हैऔर उस पंजी पर फर्जी हस्ताक्षर भी हुआ है जो जांच का विषय है। बीडीओ मोहम्मद सज्जाद ने बताया कि आवेदन मिला है, जांच की जाएगी।

सेविका–सहायिका को राज्यकर्मी का दर्जा दे सरकार

बीएनएम@केसरिया

प्रखण्ड कार्यालय के समक्ष आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका द्वारा बुधवार को छठे दिन भी धरना-प्रदर्शन किया गया। बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन के बैनर तले आयोजित इस धरना का नेतृत्व संघ की प्रखंड अध्यक्ष रूपम कुमारी द्वारा किया गया। वहीं संचालन संघ की सचिव जुली कुमारी ने किया।प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार सेविका एवं सहायिकाओं को राज्यकर्मी का दर्जा देने की मांग को पूरा करें अन्यथा आने वाले दिनों में उसे सेविका और सहायिका के कोपभाजन का शिकार होना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए दी जाने वाली अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि में बढ़ोतरी करते हुए उस राशि को 10 हजार करें। वहीं सुप्रीम कोर्ट के निर्गत आदेश के आलोक में राज्य में भी सभी आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं को ग्रेच्युटी की राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा राज्य सरकार सभी आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देते हुए उन्हें ग्रेड सी एवं डी में समायोजित करने का कार्य करे। मौके पर संघ की उपाध्यक्ष मीना शर्मा, बबीता देवी, शीला देवी, कुलशुम प्रवीण, शशिकला देवी, सिया देवी, शशि सिंह, मोनी प्रभा , सिन्धु देवी, रिमा देवी, सीमा गुप्ता, आशा शर्मा समेत अन्य लोग वहां पर उपस्थित थे।

सहयोग प्रमुख हमेशा से ही इस विद्यालय के विकास में सहयोग देते रहे है।

जनभागीदारी से विद्यालय में लगाया गया आरओ वाटर प्यूरीफायर

बीएनएम@बेतिया

जनपद में बुधवार को राजकीय +2 उच्च विद्यालय कुमारबाग में चनपटिया के पूर्व प्रखंड प्रमुख वीरेंद्र मांझी के सौजन्य से आरओ वाटर प्यूरीफायर मशीन लगाया गया है। इस दौरान पूर्व प्रमुख ने कहा विद्यालय समाज का अभिन्न अंग है, जहां समुदाय के ही बच्चें शिक्षा ग्रहण करते हैं। ऐसे में विद्यालय विकास में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रत्येक व्यक्ति, अभिभावक को प्रयास करना चाहिए कि वे विद्यालय के विकास में अपना थोड़ा-बहुत योगदान अवश्य दें।

विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार सिंह ने कहा कि आज पूर्व प्रखंड प्रमुख वीरेंद्र जी के द्वारा विद्यालय को आरो वाटर मशीन उपलब्ध कराया गया। इनके सहयोग के लिए विद्यालय परिवार उन्हें बहुत बहुत साधुवाद देता है। वही विद्यालय की शिक्षिका सुश्री मेरी आडलीन ने कहा है कि श्री वीरेंद्र मांझी पूर्व चनपटिया प्रमुख हमेशा से ही इस विद्यालय के विकास में अपना सहयोग देते रहे है। इसी क्रम में आज उनके द्वारा विद्यालय में एक आरो वाटर प्यूरीफायर मशीन भी लगाई गई है, जिससे विद्यालय के सभी छात्र- छात्राओं सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को शुद्ध पेयजल पीने को मिलेगा। इस अवसर पर लालबाबू विजय और अशोक कुमार, पंचायत समिति सदस्य, चुहड़ी, शिक्षिका रानी कुमारी, सीमा भारती, शुष्मा शर्मा, शिक्षक राजकिशोर पांडेय, चंद्रशेखर तिवारी, नवीन कुमार मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित हुए।

मैट्रिक उतीर्ण सभी छत्राओ को मुखिया पति द्वारा किया गया सम्मानित

बीएनएम@रामगढ़वा

चंपापुर में स्वक्छता के अवसर पर बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ के तहत वर्ष 2023 में मैट्रिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं को पंचायत स्तर से अंग बस्तर ओढ़ाकर व प्रसशती पत्र देकर समानित किया गया। मुखिया पति शमशुल जोहा द्वारा अपने संबोधन में पंचायत वाशियो को बताए की समाज के कोई बच्चे पैसा की कमी से पढ़ाई बाधित नहीं होगी। वैसे बच्चे हमलोग से संपर्क कर सकते हैं। हमलोग उन्हें आर्थिक मदद देंगे समाज का विकाश तभी होगा, जब हमारा समाज शिक्षित होगा। मौके पर जमील होदा अंसारी, मसईब अंसारी, सराजुल अंसारी, बबलू कुमार, मनोज प्रसाद,रामसंकर प्रसाद, दिनेश साह, जादोलाल प्रसाद करीमन राम सहित आदि लोग उपस्थित थे।

विभिन्न मांगों को लेकर सेविकाओं व सहायिकाओं का 6ठे दिन भी हड़ताल जारी

कार्यालय में तालाबंदी कर कार्य को किया बाधित

बीएनएम@घोड़ा सहन/हरसिद्धि

पूर्वी चम्पारण जिले के घोड़ासहन प्रखंड में आंगनबाड़ी सेविका सहायिका का विभिन्न मांगों को लेकर छठे दिन बुधवार को भी हड़ताल जारी रहा। प्रखंड कार्यालय परिसर में अवस्थित आईसीडीएस कार्यालय परिसर में बिहार राज्य आंगनबाड़ी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले प्रखंड इकाई घोड़ासहन के प्रखंड अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी व सचिव सुमित्रा के नेतृत्व में आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका आईसीडीएस कार्यालय में ताला जड़कर कार्य बाधित कर मांगों को समर्थन में आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। कार्यालय पहुंची सीडीपीओ अंजना कुमारी को भी सेविकाओं का आक्रोश का सामना करना पड़ा। सभी ने सीडीपीओ से अपनी मांगों को सरकार व प्रशासन के समक्ष पहुंचाने का आग्रह भी किया गया है। सीडीपीओ ने भी उनकी मांगों को सरकार के पास भेजने का आश्वासन दिया। इस दौरान सेविकाओं व सहायिकाओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की व प्रदर्शन किया। सभी ने हाथों में तख्ती लिए जाग सेविका जाग मुश्किल से न भाग, याद रखना ऐ सरकार, हर वार्ड में है मेरा अधिकार, उतर जायेगा तेरा बुखार, लाल साड़ी की है पुकार नहीं सहेगें अत्याचार, 6 हजार में दम नही 25 हजार से कम नही, हम भारत की नारी है, फूल नही चिंगारी है आदि के नारे लगा रहे थे।

संघ के अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी ने कहा कि उनकी मुख्य मांगों में सरकारी कर्मचारी का दर्जा, वेतन वृद्धि करने, सेवा स्थाईकरण, योग्य सेविका का महिला पर्यवेक्षिका में प्रोन्नति, योग्य सहायिका का सेविका में प्रोन्नति आदि शामिल है। गौरतलब हो कि प्रखंड की सभी सेविका सहायिका सरकारी कर्मचारी का दर्जा व मानदेय बढ़ोतरी की मांग को लेकर बीते 29 सितम्बर से ही आंगनबाड़ी केंद्रों में तालाबंदी कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली गईं हैं। सेविका सहायिका के हड़ताल पर चले जाने के कारण से आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन पूरी तरह से बाधित हो गया है। मौके पर सेविका मंजू देवी, रामावली देवी, सुमन कुमारी, उषा कुमारी, लक्ष्मी देवी, रीमा कुमारी, शोभा कुमारी, शारदा यादव, स्मृति कुमारी, ममता कुमारी, सुमित्रा कुमारी, अमिता कुमारी, रिजवाना खातून, रेहाना खातून, मंजू वर्मा सहित सैकड़ों सेविका सहायिका आदि मौजूद रहे।

हरसिद्धि संवाददाता के अनुसार,

आंगनबाड़ी सेविका सहायिका संघ के बैनर तले प्रखंड क्षेत्र के सभी सेविका सहायिका 29 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। आंगनबाड़ी सेविका सहायिका का हड़ताल का आज छठे दिन है। आंगनबाड़ी सेविका सहायिका ने अपने विभिन्न मांग सहित राज कर्मी के लिए सरकार को सूचना दिया परंतु सरकार के द्वारा कोई कार्रवाई अभी तक नहीं की गई। जिसके विरुद्ध में प्रखंड क्षेत्र के सभी सेविका सहायिका अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चल रही है। प्रखंड अध्यक्ष प्रमिला देवी ने बताई की हड़ताल के छठे दिन सभी सेविका सहायिका धरना प्रदर्शन दिया। मौके पर किरण सिंह, सुधा देवी, पुनम कुमारी, निक्की कुमारी, अनिता कुमारी, सुगांती कुमारी, सापना कुमारी, बिंदु देवी, नसीमा खातून, बिभा देवी, तारा देवी, मंजू देवी, उर्मिला देवी, महासचिव राजेश सिंह, सहित सभी धरना प्रदर्शन में शामिल थी।

पानी मे डूबने से युवक की मौत हुई

बीएनएम@तुरकौलिया। जयसिंहपुर पूर्वी पंचायत के वार्ड नंबर 05 के करमवा गांव निवासी यादव राय का 18 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार की मौत पानी में डूबने से बुधवार को हो गई। करमवा घाट धनौती नदी के तरफ सरेह में राहुल शौच करने गया था।

जहां पैर फिसलने से वह धनौती नदी में गिर गया। धनौती नदी के गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई है। घटना को लेकर मृतक के पिता यादव राय ने थाना पर आवेदन दिया है। जहां उसने बताया है कि उसका पुत्र राहुल अहले सुबह करीब 3 बजे शौच करने के लिए सरेह गया था। काफी देर गुजरने के बाद जब वह घर नहीं लौटा तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। खोजने के दौरान उसका शव धनौती नदी में मिला। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर मृतक के परिजनों को सौंप दिया गया है। साथ ही आवेदन के आलोक में यूडी केस दर्ज कर ली गई है।

मुखिया संघ 10 अक्टूबर को पटना में करेगा प्रदर्शन

-प्रखंड बगहा एक के मुखिया संघ की बैठक संपन्न, लगाया सरकार पर मनमानी का आरोप

बीएनएम@बगहा। प्रखंड बगहा एक के लगुनाहां - चौतरवा पंचायत के चौतरवा चौक के शरणार्थी कांलोनी स्थित कमन प्लांट परिसर में बुधवार को प्रखंड बगहा एक के मुखिया संघ की बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रखंड एक के सभी मुखिया मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए संघ के अध्यक्ष सह चंदरपुर - रतवल पंचायत के मुखिया नीतेश राव ने मुखिया संघ की विभिन्न मांगों को लेकर सरकार पर एक जोरदार हमला बोला। ग्राम पंचायतों को संविधान के 73 वां संशोधन से प्राप्त अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य की सरकार मनमानी रवैये से योजनाओं में मुखिया की अधिकारों की कटौती कर रही है। पंचायत को विकसित व सर्वांगीण विकास करने की संदेश देते हुए कहा कि चौमुखी विकास पहली प्राथमिकता है। मुखिया संघ के अध्यक्ष ने 10 अक्टूबर को पटना के छज्जूबाग में आयोजित शांति धरना में चलने की अपील की तथा 6 नवंबर को सरकार के विरुद्ध पटना में आयोजित विशाल रैली में चलने की आह्वान किया। बैठक को संबोधित करते हुए लगुनाहां -चौतरवा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि आनंद शाही ने सरकार को आडें हाथों लिया।

कहा कि पंचायत सरकार भवन सरकार व एल ईओं द्वारा मनमानी ढंग से पंचायतों से निर्माण कार्य कराने की अधिकार छिन रही है। उन्होंने नल जल योजना को पीएचडी विभाग को नहीं देते हुए वार्ड सदस्यों व वार्ड क्रियान्वयन समिति को देने की मांग सरकार से की। भैरोगंज पंचायत के मुखिया मुन्ना दास ने सात निश्चय योजना को मुख्यमंत्री द्वारा वार्ड सदस्यों को पुःन अधिकार कार्य देने की सरकार से मांग करते हुए कहा कि सोलर स्ट्रीट लाईट योजना को पंचायतों में लगाने की चर्चा की। मुखिया संघ ने बैठक में गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित आम सभा की प्रतिलिपि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, न्यायाधीश, मुख्यमंत्री, राज्यपाल समेत विभिन्न जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को ज्ञापन भेजा गया है।

सचेत खुशी की बात है कि जिला प्रशासन द्वारा इस प्रकार का कार्यक्रम आयोजित करके हमें जागरूक किया जा रहा है।

प्रत्येक सुझावों और प्रतिक्रियाओं पर गंभीरतापूर्वक किया जाएगा विचार : डीएम

एक-एक सुझाव का कराया जा रहा है दस्तावेजीकरण, किया जाएगा फॉलोअप

समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कराने हेतु किया जाएगा सार्थक प्रयास

बेतिया। सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों की जानकारी से आमजनों को अवगत कराने तथा उनसे सुझाव एवं प्रतिक्रिया प्राप्त करने को लेकर बुधवार को नौतन एवं बैरिया प्रखंड में सफलतापूर्वक जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय द्वारा विधिवत दीप प्रज्ज्वलित कर जन संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम से हजारों ग्रामीण लाभान्वित हुए। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पीएचईडी, पथ निर्माण, ग्रामीण कार्य विभाग, पंचायत राज, ग्रामीण विकास विभाग आदि विभागों के जिलास्तरीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को विस्तारपूर्वक संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। जन संवाद कार्यक्रम के दौरान नौतन प्रखंड अंतर्गत जमुनिया पंचायत के मुखिया बसंत साह ने कहा कि खुशी की बात है कि जिला प्रशासन द्वारा इस प्रकार का कार्यक्रम जिले में किया जा रहा है। हमें हमारे अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है और समस्याओं का समाधान कराया जा रहा है। इसके लिए मैं जिला प्रशासन को धन्यवाद देता हूँ।

इनके द्वारा पंचायत सरकार भवन निर्माण, स्वास्थ्य केंद्र, कन्या उत्थान योजना आदि के बारे में सुझाव एवं प्रतिक्रिया दी गयी। दिनेश कुमार द्वारा पंचायत सरकार भवन निर्माण हीरामन महतो द्वारा कृषि कार्य हेतु विद्युत सप्लाई, कृषि, उर्वरक के बारे में अपने सुझाव दिए गए। उन्होंने कहा कि जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन कर ग्रामीणों से सुझाव एवं प्रतिक्रिया ली जा रही है ताकि सरकार द्वारा संचालित विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन और बेहतर तरीके से किया जाए। कहा कि जन संवाद कार्यक्रम का सफलतापूर्वक कराने पर सभी ग्रामीणों एवं स्थानीय प्रशासन को बहुत-बहुत धन्यवाद।

पुलिस अधीक्षक, बेतिया, अमरकेश डी ने कहा कि किसी भी आपातस्थिति में 112 डायल करें, टीम द्वारा तुरंत स्पॉट पर पहुंच कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुविधा हेतु थानों में महिला हेल्प डेस्क फंक्शनल है। महिला हेल्प डेस्क में महिला अधिकारी एवं कर्मी 24 घंटे कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनिल राय सहित जिलास्तरीय, प्रखंड पदाधिकारी, अभियंता गण व ग्रामीण आदि उपस्थित रहें।

Editorial

Thursday 05 October 2023

डोलती धरती, कांपते लोग

नेपाल में धरती से पांच किलोमीटर नीचे भूकंप के केंद्र बिंदु ने तीन अक्टूबर की दोपहर 2 बजकर 51 मिनट पर पहले 4.6 तीव्रता व एक मिनट के ही अंतराल में 6.2 तीव्रता ने सबको हिलाकर रख दिया। सम्पूर्ण नेपाल और उत्तर भारत में जयपुर, दिल्ली, लखनऊ, देहरादून आदि क्षेत्रों में धरती डोलती रही। लोग घर, दफ्तर और दुकानों से बाहर निकल आए। भूकंप के इन शक्तिशाली झटकों से लोग अभी दहशत में है। बीते साल भी 8 और 9 नवंबर की रात 1:57 बजे आए भूकंप का मैग्नीट्यूड 6.3 था और इसका असर भारत के अलावा नेपाल और चीन में भी देखा गया। भूकंप का केंद्र तब भी नेपाल था। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गुरुग्राम में भी कई सेकंड धरती डोलती रही। ऐसा पृथ्वी के स्थल मंडल में ऊर्जा के अचानक मुक्त हो जाने के कारण उत्पन्न होने वाली तरंगों की वजह से होता है। भूकंप कभी इतने विनाशकारी होते हैं कि शहर के शहर जमींदोज हो जाते हैं। भूकंप का मापन भूकंपमापी यंत्र से किया जाता है। इसे सीस्मोग्राफ कहते है। तीन या उस से कम रिक्टर परिमाण की तीव्रता का भूकंप अक्सर अगोचर होता है, जबकि 7 रिक्टर की तीव्रता का भूकंप बड़े क्षेत्रों में गंभीर क्षति का कारण बन जाता है। भूकंप के झटकों की तीव्रता का मापन मरकैली पैमाने पर किया जाता है। पृथ्वी की सतह पर भूकंप भूमि को हिलाकर या विस्थापित कर प्रभाव डालता है। जब कोई बड़ा भूकंप उपरिकेंद्र अपतटीय स्थिति में होता है तो यह समुद्र के किनारे पर पर्याप्त मात्रा में विस्थापन का कारण बनता है। भूकंप के झटके कभी-कभी भूस्खलन और ज्वालामुखी फटने का भी कारण बनते हैं। भूकंप अकसर भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं। 2021 में 11 सितंबर को जोशीमठ से 31 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण में सुबह 5:58 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.6 थी। उत्तराखंड में इस भूकंप का प्रभाव चमोली, पौड़ी, अल्मोड़ा आदि जिलों में था । इससे पूर्व 24 जुलाई, 2021 को उत्तरकाशी से 23 किलोमीटर दूर करीब 1 बजकर 28 मिनट पर भूकंप आया था। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.4 मापी गई थी।

जाति की आग को फिर मिलने लगी हवा

डॉ. प्रभात ओझा

मसला जाति का हो तो राजनीति होनी ही है। यह जाति के आधार पर जनगणना कराने की बात है। यानी हर जगह, कहां कौन सी जाति के कितने लोग हैं। अगले चरण में इसी औसत में सम्बंधित समुदाय को लाभ देने के कदम उठाए जाएं, यह स्वाभाविक है। जानकार लोगों को मंडल कमीशन (दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग) की रिपोर्ट और उसके बहुत बाद केंद्र में वी. पी. सिंह सरकार के समय उस रिपोर्ट को लागू करने के समय की घटनाएं याद होंगी। यहां गौर करने वाली बात यह है कि तब भी ऐसा किसी जातिगत जनगणना के आधार पर नहीं किया गया था। पहले एक आयोग बना। उसी की रिपोर्ट के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था की गयी। जातिगत जनगणना तो 92 साल बाद हुई है। वह भी सिर्फ एक प्रांत में। वर्ष 1931 के 92 साल बाद बिहार में जातीय जनगणना की रिपोर्ट जारी कर दी गई है। इसी के साथ इसके औचित्य पर सवाल शुरु हो गये हैं और कुछ संस्थाओं ने सर्वोच्च न्यायालय की शरण ली है। सवाल उठता है कि ऐसी जनगणना की जरुरत क्यों पड़ी? इसके बाद क्या क्या होने वाला है? ये सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं कि इन 92 साल के दौरान ऐसी गणना की जरुरत नहीं पड़ी। आजादी के बाद जो पहली जनगणना कराई गई थी, उसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को जरुर गिना गया था। ऐसा इसलिए किया गया कि इन दोनों को आरक्षण देने का फैसला हुआ था। तब से 1951 के बाद 2011 तक हर जनगणना में अनुसूचित जाति और जनजाति के ही आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। तय समय के मुताबिक, 2021 में कोरोना के चलते जनगणना नहीं हो सकी है। इस बीच भिन्न-भिन्न राज्य सरकारों ने एक अनुमान के आधार पर समय-समय पर अन्य जातियों को भी आरक्षण दिया। बीच-बीच में कुछ संस्थाएं तो कई राजनीतिक दल ऐसी जनगणना की मांग करते रहे हैं। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने इस पर अमल भी किया। अपनी योजना में वह बहुत कुछ सफल होते दिख रहे हैं। देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा इसे भ्रम फैलाने का प्रयास बता रही है। इसके जवाब में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कहना है कि राज्य विधानसभा में मौजूद सभी दलों के एक सर्वसम्मत प्रस्ताव के आधार पर ही राज्य मंत्रिपरिषद ने यह गणना कराई है। गांधी जयंती के दिन जारी आंकड़ों के अनुसार बिहार में पिछड़ा वर्ग 27.12 प्रतिशत, अत्यन्त पिछड़ा वर्ग 36.01 प्रतिशत, अनुसूचित जाति 19.65 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के 1.68 प्रतिशत लोग हैं। जो लोग आरक्षण में नहीं आते ऐसे सवर्ण लोगों की संख्या 15.52 प्रतिशत है। स्वाभाविक है कि आरक्षण में आ सकने वाले लोगों की संख्या अधिक है। यह वर्ग बिहार के अलावा अन्य राज्यों में भी है और पूरे देश में इनकी संख्या 52 प्रतिशत से कुछ अधिक बताई गई है। इस समय भाजपा को छोड़ कांग्रेस सहित प्रमुख विपक्षी दल इस तरह की जनगणना की मांग पूरे देश के लिए कर रहे हैं। खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की इस विषय में आवाज गौर की जा रही है। प्रधानमंत्री ने तो एक सभा में राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा कि कांग्रेस संख्या के बल पर हिस्सेदारी की बात कह रही है, तो क्या हिंदू सारी सुविधाओं पर अपना हक जमा लें। प्रधानमंत्री कांग्रेस के उस रुख, खासकर तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के उस वक्तव्य पर व्यंग्य कर रहे थे कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का है। श्री मोदी का सवाल जायज लगता है कि क्या कांग्रेस मुसलमानों क साथ छोड़ रही है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से सम्बद्ध रहे हैं।)

Today's Opinion

भारतीय देशभक्त सिखों को मत जोड़ो खालिस्तानियों से

आर.के. सिन्हा

इधर हाल के दौर में कनाडा, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया वगैरह देशों में मुट्ठीभर सिरफिरे खालिस्तानियों की हरकतों को भारत के सामान्य राष्ट्र भक्त सिखों से जोड़ना वास्तव में किसी अपराध से कम नहीं माना जाएगा। भारत के सिखों की भारत को लेकर निष्ठा पर प्रश्न चिन्ह लगाने का सवाल ही पैदा नहीं होता। सिख पंथ की स्थापना ही राष्ट्र पर जी जान न्योछावर करने के संकल्प के साथ हुई थी। भारत के चौतरफा विकास में सिखों को उल्लेखनीय योगदान रहा है। यह याद रखा जाए कि देश के बंटवारे के समय मोहम्मद अली जिन्ना ने सिखों के सामने पृथक राष्ट्र का प्रस्ताव भी रखा थ जिसे उन्होंने सिरे खारिज कर दिया था। उसके बाद वे अपना सब कुछ छोड़कर भारत आ गए थे। यह मानना होगा कि संसार के किसी भी कोने में जाने वाले या रहने वाले सिख भारत के ही ब्रॉड ऐंबेसेडर हैं। दुनिया के किसी भी भाग में बसा सिख भारत को ही अपनी मातृभूमि और पुण्यभूमि मानता है। सिख समुदाय भारत की टीमों को ही सदा चीयर करता है। मुझे लगता है कि भारतवंशियों के लिए भारत मात्र एक भौगोलिक एन्टिटी (भौगोलिक वास्तविकता) ही नहीं है। यह तो समझना होगा। अगर बात सिखों की करुं तो भारत सिखों के लिए तो गुरुघर है। इसलिए इसके प्रति उनकी अलग तरह की निष्ठा तो रहती ही है। शेष भारतवंशियों के संबंध में भी कमोबेश यही कहा जा सकता है। इसलिए वे केन्या, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन वगैरह में बसने के बाद भी अपने को भारत से दूर नहीं कर पाते। सिखों को भी भारत दिल से ही चाहता है। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर, पटना साहिब गुरुद्वारा और देश के सैकड़ों गुरुद्वारों में रोज लाखों लोग लंगर का सेवन करते हैं। जो पूरे विश्व में एक मिसाल है। सिखों में सेवा का भाव वास्तव में अदभुत है। आपको भारत के हरेक क्षेत्र में सिख अपना योगदान देते हुए मिलेंगे। अब आप दिल्ली के समाजसेवी जितेन्द्र सिंह शंटी को ही लें। शंटी लगभग तीन दशकों से दिल्ली और इसके आसपास के शहरों में लावरिस शवों का अंतिम संस्कार करवा रहे हैं। उन्होंने कोविड काल में अपने हाथों से दर्जनों अभागे लोगों का अंतिम संस्कार करवाया था। उस समय उन्हें और उनके परिवार के कई सदस्यों को भी कोविड हो गया था। पर वे हार मानने वाले कहां थे। वे कोविड को हराने के बाद फिर से सड़कों पर उतर गए थे। पदमश्री पुरस्कार विजेता शंटी ने रक्त दान का सैकड़ा भी बना लिया है। अर्पणा कौर भी भारतीय समकालीन कला जगत की सशक्त हस्ताक्षर हैं। उनकी कूची 1984 के सिख विरोधी दंगों और वृन्दावन की विधवाओं पर खूब चली है। अर्पणा कौर के चित्रों में बुद्ध, बाबा नानक और सोहनी-महिवाल भी मिलेंगे। उनके चित्रों में स्त्री पात्र खूब मिलते हैं। अर्पणा कौर का बचपन से ही कला के प्रति रुझान था,उनका रुझान कविता साहित्य रचना में था , संगीत में भी दिलचस्पी रखतीं थीं।अर्पणा कौर को बचपन से ही खुले विचारों वाले माहौल के साथ संगीत, नृत्य, साहित्य और चित्रकारी का सांस्कृतिक परिवेश भी मिला। नौ वर्ष की आयु में उन्होंने तेल रंग में 'मदर एंड डॉटर'चित्र बनाया जो अमृता शेरगिल की कलाकृति से प्रभावित था। भारत के नामचीन सिखों की बात होगी करीब तीन साल पहले बिजनेस की दुनिया से रिटायरमेंट ले लेने वाले पीआरएस ओबराय की चर्चा करनी होगी। ओबराय की निगरानी में राजधानी में ओबराय इंटरकांटिनेंटल होटल 1965 में बना था। उन्हें भारत की होटल इंडस्ट्री का गॉड फादर माना जा सकता है। उन्होंने कुछ साल पहले ओबराय इंटरकांटिनेंटल को नये सिरे से विकसित करवाया। मुंबई का दि ट्राइडेंट होटल 26/11हमले में बर्बाद हो गया था। पर ओबराय के बाते विक्की ओबेराय ने उसे राख के ढेर से फिर खड़ा किया। इस सूची में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बिशन सिंह बेदी, भारतीय हॉकी टीम के दो पूर्व कप्तानों क्रमशः हरबिंदर सिंह तथा अजीत पाल सिंह का नाम छोड़ा नहीं जा सकता। इन तीनों ने भारत क्रिकेट और हॉकी टीमों की कप्तानी की है। लाजवाब फारवर्ड हरबिंदर सिंह 1964 के टोक्यो ओलंपिक खेलों में गोल्ड मेडल विजयी भारतीय टीम के सदस्य थे। अजितपाल सिंह की कप्तानी में भारत ने 1975 में वर्ल्ड कप जीता था।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

आसान विधि से बनाएं बनारसी दम आलू

बनारस के स्वाद की बात ही कुछ और है। एक बार यहां के जायकों को चखने के बाद सालों तक आप उस स्वाद को भूल नहीं सकते। तो आइए ऐसी ही एक डिश करते हैं ट्राय बनारसी दम आलू।

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 10-15 उबले हुए (एकदम छोटे आकार के), 2-3 चम्मच सरसों का तेल, 1 चुटकी हींग, 2 हरे लहसुन की पत्तियां कटी हुई, 1 टीस्पून जीरा, 2 टेबलस्पून धनिया, 1 टीस्पून जीरा, 1 टीस्पून सरसों के दाने, 1 टीस्पून सौंफ, अजवाईन, कलौंजी, 4 से 5 साबूत लाल मिर्च, 1 टीस्पून हल्दी पाउडर, 2 टेबलस्पून अमचूर पाउडर, स्वादानुसार नमक, 2 टेबलस्पून हरी धनिया की पत्तियां

विधि :

- उबले आलूओं से छील लें या फिर ऐसे ही बीच से चीरा लगा।
- एक बड़ी लोहे की कढ़ाही रखें और तेल गर्म करें।
- अब उसमें कटी हुई लहसुन की पत्तियां और हींग डालकर भूनें इसके बाद आलूओं को कढ़ाही में डालकर 15 से 20 मिनट तक भूनें।
- इस समय सभी खड़े मसालों को हल्का गर्म करें और दरदरा पीसकर तैयार करें।
- जब आलू एकदम सुनहरा भून जाए तो उसमें पीसा हुआ मसाला, हल्दी, आमचूर पाउडर और नमक डालकर मिलाएं।
- आलू को मसालों के साथ भी पांच मिनट तक अच्छी तरह से मिलाएं लें।
- अब धनिया पत्ती डालें और हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

स्वादिष्ट आलू-मेथी की सब्जी बनाने के लिए आसान स्टेप्स

टेस्टी आलू-मेथी सब्जी बनाने के लिए ये रेसिपी आजमा सकते हैं। आप इसे पराठे या रोटी के साथ सर्व कर सकते हैं।

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 4 आलू, 1 कप कटे हुए मेथी, 3-4 लहसुन की कली, 2-3 हरी मिर्च, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी स्पून गरम मसाला पाउडर, 2-3 चम्मच तेल, स्वादानुसार नमक

विधि : -सबसे पहले आलू धो लें और इसे टुकड़ों में काट लें। अब कढ़ाई में तेल गर्म करें, इसमें मिर्च और लहसुन चटकाएं। फिर कटे हुए आलू और मेंथी डालें। इसे कुछ देर तक पकाएं। जब सब्जी की पानी सूखने लगे, तो नमक और मसाले मिलाएं। कुछ देर तक भून लें, जब आलू पक जाए, तो गैस बंद कर दें।

नया शोध : हार्ट अटैक के बाद अब सेल प्रोग्रामिंग की मदद से दिल को किया जाएगा रिपेयर

वैज्ञानिकों ने सेलुलर प्रोग्रामिंग का लाभ उठाने के लिए प्रोटीन के एक समूह की पहचान की है। जिससे दिल की कोशिकाओं को पहुंचे नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सके। वैज्ञानिकों ने शोध के दौरान पाया कि दिल के दौरे के बाद एक चूहे के दिल को पहुंची चोट की मरम्मत सफल तरीके से कैसे की जा सकती है। अमेरिका के सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस में हुई रिसर्च के निष्कर्ष में पाया गया कि इससे हृदय, पार्किंसंस रोग और न्यूरोमस्कुलर बीमारियों सहित कई बीमारियों के उपचार को बदलने में मदद मिल सकती है।

सेलुलर प्रोग्रामिंग क्या है

शरीर की कोशिकाएं चुनी गई जीन्स को चालू और बंद करने की क्षमता रखती हैं। जैसे- वे कैसे दिखते हैं और वह क्या करते हैं, उसे बदलना ही सेलुलर प्रोग्रामिंग का आधार है। यह पुनर्योजी चिकित्सा का एक उभरता हुआ दृष्टिकोण है, जिसमें वैज्ञानिक क्षतिग्रस्त या घायल शरीर के ऊतकों की मरम्मत के लिए कोशिकाओं को बदलते हैं।

सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस के असिस्टेंट प्रोफेसर और रिसर्च के लीड लेखक, एलेक्जेंडर कोलास ने बताया कि, हार्ट अटैक के बाद अगर एक व्यक्ति बच भी जाता है, तब भी उसके दिल को भारी नुकसान जरूर पहुंचा होता है, जिसकी वजह से दिल की दूसरी बीमारियों का जोखिम और बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, थिअरी में सेलूलर प्रोग्रामिंग, हमें किसी भी कोशिका की गतिविधि और उपस्थिति को नियंत्रित करने का मौका देती है।

यह कॉन्सेप्ट शरीर को खुद को दोबारा ठीक करने में बड़ी मदद प्रदान करता है, लेकिन रीप्रोग्रामिंग तंत्र की बाधाओं ने विज्ञान के लैब से क्लिनिक तक के सफर को रोका हुआ है।

हुई चार चरह के प्रोटीन की पहचान

इस समस्या को हल करने के लिए शोध में चार तरह के प्रोटीन की पहचान की गई, जिसे AJSZ नाम दिया गया है। कोलास ने कहा, इन प्रोटीन्स की एक्टिविटी को ब्लॉक कर, हम दिल को पहुंची चोट को कम कर पाए और दिल के दौरे का शिकार हुए चूहे के दिल के कार्य में 50 फीसदी तक सुधार ला पाए। हालांकि, इस शोध का फोकस दिल की कोशिकाओं पर रहा, लेकिन वैज्ञानिकों को यकीन है कि AJSZ सभी तरह की कोशिकाओं में पाए जा सकते हैं। उन्हें यकीन है कि इस तरीके से कई तरह की बीमारियों का बेहतर इलाज हो सकता है। कोलास ने कहा, यह सफलता इन जबरदस्त जैविक अवधारणाओं को वास्तविक उपचारों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस शोध का अगला कदम है AJSZ प्रोटीन्स को काम करने से ब्लॉक करने के कई विकल्पों की तलाश करना। अध्ययन के बारे में, कोलास ने कहा, गहरी चोट के बाद दिल को ठीक करने में मदद कर पाना अपने आप में एक महत्वपूर्ण चिकित्सा आवश्यकता है, लेकिन ये निष्कर्ष चिकित्सा में सेल रिप्रोग्रामिंग के बड़े पैमाने में उपयोग के रास्ता को भी बड़ा बनाते हैं।

त्वचा के साथ शरीर के लिए भी फायदेमंद है अनार का जूस, लेकिन बरतें ये सावधानी

गर्मियां शुरू हो गई हैं और इसी के साथ कुछ ठंडा तरल पदार्थ पीने के लिए हमारी चाह भी बढ़ने लगी है। वैसे तो गर्मी में गला तर करने के लिए हम ज्यादातर ठंडी चीज की तलाश करते हैं, स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए हमें अक्सर कोशिश करनी चाहिए कि हम फल के जूस का ही सेवन करें। हमें ऐसे लिक्विड चीजों की तलाश करनी चाहिए जो हमारे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सके। अगर आप भी ऐसा ही कुछ ढूंढ रहे हैं, तो अनार का जूस एक बढ़िया ऑप्शन हो सकता है, जिसके एक या दो नहीं बल्कि कई सारे फायदे हैं। यह आवश्यक पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। चलिए जानते हैं अनार का जूस पीने के फायदे के बारे में-

अनार के जूस के फायदे-

1. वजन घटाने में मददगार

अनार का जूस वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है। अनार पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, ये सभी आपको मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और फैट बर्न करने में मदद करते हैं। यह आपकी भूख को दबा कर आपको लंबे समय तक भरा हुआ भी महसूस करवाते हैं। कोशिश करें इसे अपने मीठे पेय पदार्थों से बदलें क्योंकि उससे आपका तेजी से वजन बढ़ सकता है।

2. पाचन में सहायक

अनार का रस आपके पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और पाचन संबंधी समस्याओं, जैसे कि सूजन आंत्र रोग का इलाज करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद यौगिक आपकी आंत के लिए अच्छे बैक्टीरिया को प्रोत्साहित कर सकते हैं और पाचन तंत्र में जलन की समस्या को कम कर सकते हैं।

3. कैंसर रोधी गुण होते हैं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के अनुसार, अनार प्रोस्टेट कैंसर को रोकने या उसका इलाज करने में मदद कर सकता है। कई टेस्ट-ट्यूब शोधों के अनुसार, अनार के रस में ऐसे रसायन होते हैं जो या तो कैंसर कोशिकाओं को मारने में मदद कर सकते हैं या शरीर में उनकी वृद्धि को धीमा कर सकते हैं।

4. हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है

अनार के रस का सेवन आपके हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और स्ट्रोक और दिल के दौरे जैसी स्वास्थ्य स्थितियों के विकास के जोखिम को रोक सकता है। अनार के अर्क में ऐसे यौगिक होते हैं जो रक्तचाप को कम कर सकते हैं, धमनी की सूजन को कम कर सकते हैं, दिल से संबंधित सीने में दर्द में सुधार कर सकते हैं और पट्टिका के विकास को रोक सकते हैं और नतीजतन दिल का दौरा और स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

5. शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट

क्या आप जानते हैं कि ग्रीन टी की तुलना में अनार के रस में तीन गुना अधिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है क्योंकि इसमें पॉलीफेनोल्स होते हैं जो आपके शरीर को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।

6. गठिया का प्रबंधन करें

अनार का जूस अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण गठिया को प्रबंधित करने और जोड़ों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद तत्व ऑस्टियोआर्थराइटिस पैदा करने वाले एंजाइम को रोक सकते हैं।

7. त्वचा के लिए अच्छा है

आपकी त्वचा हानिकारक यौगिकों, प्रदूषण और सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों के संपर्क में आती है, जिससे उन्हें काफी नुकसान पहुंचता है। अनार के जूस का सेवन आपकी त्वचा को यूवी किरणों से बचाने में मदद कर सकता है क्योंकि यह त्वचा में जहरीले यौगिकों के उत्पादन को रोकने में मदद करता है।

8. मूत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है

अनार का रस आपके मूत्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और गुर्दे की पथरी को रोकने में मदद कर सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, अनार का अर्क अपनी एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि के कारण गुर्दे की पथरी के विकास को रोकने में मदद कर सकता है।

अनार के जूस के साइड इफेक्ट

हर अच्छी चीज के साथ कुछ बुराई भी छिपी होती है। अनार के रस में भी कई स्वास्थ्य लाभों के साथ कुछ साइड इफेक्ट्स हैं। इसलिए इससे बचने के लिए कम मात्रा में इसका सेवन करें। इसके अलावा, जिन लोगों को अनार से एलर्जी है, उन्हें इस जूस को पीने से बचना चाहिए। वहीं अगर आपकी दवाइयां चल रही हैं या फिर आप डाइटिंग कर रहे हैं, तो इसे अपने आहार में शामिल करने से पहले अपने चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

ना कहना भी है एक कला है

श्याम कुमार कोलारे

हर कोई चाहता है कि वह हमेशा हर किसी का चाहेता बना रहे, हर कोई उसके काम की तारीफ करे एवं उसकी सराहना करे1 इसलिए वह उसको दिए गए काम एवं जिम्मेदारी को हमेशा से पूर्ण इमानदारी एवं लगन के साथ के साथ करता है और चाहता है इसका हमेशा उसको श्रेय मिले साथ ही साथ सभी के सामने उसके काम की प्रशंसा हो 1 परन्तु कभी आपने सोचा है सभी को खुश रखने के चक्कर में आप पर हमेशा जिम्मेदारियाँ बढ़ा दी जाती है, आप कोई भी काम को सहर्ष स्वीकार कर लेते है इसलिए आपको ही काम के लिए हमेशा चुना जाता है1 आप हमेशा काम वगैर कोई न-नुकर करे स्वीकार कर करने लगते है, आपको और अन्य काम की जिम्मेदारी सौप दी जाती है, पहले से आपके पास काम की एक लम्हैबी लिस्ट है,आपको और अतिरिक्त काम का बोझ डाल दिया जाता है1

किसी भी काम के लिए हमेशा हाँ कहना यानि अपने आप को और अधिक समय के लिए काम से जोड़ लेना है1 अतिरिक्त काम करना गलत नहीं है परन्तु यदि हमें पता है कि इससे हमें कोई विशेष फायदा नहीं होने वाला है, इससे केवल समय, शक्ति और उत्साह का हनन ही होना है तब भी काम करते रहना यह स्वयं को थकाने जैसा कार्य होता है 1 इससे काम करने वाला व्यक्ति अपने निजी पलो को भी प्रोपेस्नल कामो में लगा देता है और पर्सनल जीवन को अपने जॉब या नौकरी में लगा कर अपने स्वयं के सुखद पलो को खोते रहता है1

हमें रोज़मर्रा के जीवन में निरंतर दूसरों के अनुरोध का सामना करना पड़ता है। दूसरों की मदद करना भले ही अच्छी आदत कहलाती है लेकिन लगातार ऐसा करते रहने से हम पाते है कि अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए हमारे पास समय नहीं रह जाता है। इस तरह के कार्य करते रहने से हमारे भीतर हताशा पैदा होने लगती है। 'न' एक सरल शब्द है जो महज एक अक्षर का है लेकिन ज्यादातर लोगों के लिए 'न' उच्चारण कर पाना कठिन होता है। जबकि हम सभी जानते है कि 'न' कह देने से हम जीवन की अनेक कठिनाइयों से बच सकते हैं।

जतिन एक निजी कम्पनी में काम करता है, कम्पनी की तरफ से उसे फील्ड के दैनिक काम निर्धारित है, वह अपनी कम्पनी की तरफ से दी गई जिम्मेदारी के काम को भलीभांति पूर्ण निष्ठा के साथ करता है जिससे उसके बॉस के सामने उसकी अच्छी इमेज है1 वह सब कम समय पर करता है बॉस को उस पर पूर्ण विश्वास है कि वह किसी भी काम को अच्छे से कर सकता है1 कम्पनी में एक प्रोजेक्ट आता है, इस काम का पूर्व अवलोकन करने के लिए लोगो का चयन में जतिन एवं उसी के जैसे काम करने वाले लोगो का नाम आगे आता है, जतिन को इस नया काम की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जाती है1 हमारे आसपास ऐसे कई उदाहरण मिल जायेंगे जो अपने काम से संतुष्ट न होने से अवसाद का शिकार हो जाते है1 अच्छे काम के लिए पहले जो जाने जाते थे अब उस काम में उनकी रुचि नहीं लगती है1 आखिर यह सब हुआ "ना" नहीं कहने के कारण1 हर काम के लिए हमेशा "हाँ" कह देना आप पर न केवल काम का बोझ बढ़ाएगा बल्कि आपको ऐसे कार्य भी करने होंगे जिनको करना आप पसंद नहीं करते है 1 आपको समझना होगा कि आपका समय और बहुमूल्य उर्जा सीमित है और आपको इसकी अहमियत देनी होगी 1 कई बार लोग अपनी छवि खराब होने के डर से किसी भी कार्य को "न" नही कह पाते है 1 लेकिन आपको यह समझना होगा कि काम करने के लिए "हां" कहने के बाद समय की कमी के चलते काम ख़राब होता है तो इससे आपकी छवि अधिक ख़राब होगी1 कई स्थानों पर आपके पास "ना" कहना आसान नहीं होता है 1 सबसे पहले तो हमें बहुत ही सभ्य तरीके से किसी कार्य के लिए मना करना चाहिए 1 साथ ही मना करने का उचित व तार्किक कारण भी बताया जाना जरुरी है1 आइये कुछ ऐसे तरीकों को जानते है जिससे आप इस परेशानी को थोड़ा कम कर सकते है-

दोस्तों के दबाव से बचे

अक्सर हम दोस्ती रिश्तेदारी, आत्मविश्वास की कमी या दुविधा के कारण दूसरों की बातें मान लेते हैं। जैसे ''पार्टी में दोस्तों के कहने पर मैंने भी एक पैग ले लिया। ऑफिस के लोग बाहर खाना खाने जा रहे थे, तो मैं भी चला गया, अब बजट गड़बड़ हो गया।" इन सब परिस्थितियों में दूसरों की बात मानी, अगर चाहते तो, शालीनता से मना भी कर सकते थे। ना कहने का मतलब है अपने खुद के लिए खडे होना। कुछ बातों में ना करके आप अनचाही परिस्थितियों में फंसने से बचते हैं, इससे आत्मविश्वास बढता है1

अपनी ऊर्जा को बचाए रखें

कई बार हम दूसरों को खुश करने की लिए उनकी बात के लिए हामी भर देते है और बाद में सोचते हैं कि ना कह देते तो ज्यादा अच्छा होता। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हम ना को नकारात्मक भाव से जोडते है। ऐसा करने से हम अपना समय खुद ही बर्बाद करते हैं। अपने समय,निजता और ऊर्जा को बचाने का आसान और सीधा तरीका है ना कहना। ना को किस जगह कैसे फिट करना है, यह आप पर निर्भर करता है। जैसे पढ़ाई करते समय फ़ोन चलाना, फेसबुक या व्हाट्सएप पर से ध्यान हटाना, भोजन को मन से खाने के लिए फोन को दूर रखना, वजन कम करना है, किसी की बातो में ना आकर अपने विवेक से कम लेना, अपना समय एवं रूचि को ध्यान में रखते हुए कार्य करना1

लघुकथा: मेरा नाम क्या है

वीरेंद्र बहादुर सिंह

इक्यान्नवे साल की उम्र में अचानक आई इस व्याधि से वह आकुल-व्याकुल हो उठे। तकलीफ विचित्र थी। सुबह उठने के साथ ही उन्हें अपना नाम ही नहीं याद आ रहा था। लगभग दो घंटे तक वह कमरे में इधर से उधर चक्कर लगाते रहे। मर चुकी पत्नी भी 'कहती हूं' कह कर ही बुलाती थी, इसलिए उसने भी कोई नाम दिया हो, याद नहीं आ रहा था।

स्वर्गस्थ पत्नी के फोटो के नीचे उसके नाम के पीछे उनका नाम था। परंतु पिछले साल फोटो के पीछे चले गए बरसात की पानी की वजह से उस जगह इस तरह के दाग पड़ गए थे कि नाम पढ़ने में ही नहीं आ रहा था। जबकि पढ़ने में भी आ रहा होता तो अनपढ़ आंखें पढ़ ही कहां पातीं। गांव के अपने घर में होते तो किसी से पूछ लेते। पर इस समय तो वह बेटे के घर शहर में थे। यहां तो ज्यादा लोग उन्हें पहचानते भी नहीं थे।

विदेश कमाने गए बेटे के उसकी कर्कश बहू थी। अगर उससे पूछ लेते तो वह इस तरह बात का बतंगड़ बनाएगी कि सोच कर ही उन्हें चक्कर आ गया। बेटे को विदेश फोन लगाया और जैसे ही पूछा कि मेरा नाम क्या है? वहां तो जब चाहे फोन लगा कर पूछने के बदले जो सुनने को मिला कि... पर नाम का पता नहीं चला। खूब सोच-विचार कर छोटे पोते को पास बुला कर पूछा, बाबू, तुम्हें मेरा नाम पता है?

उसने हां में सिर हिलाया। पर नाम बोलने के लिए चाकलेट की खातिर दस रुपए मांगे। दस की नोट पकड़ा कर अपना नाम पूछा तो जवाब मिला, दादाजी।

अरे यह नहीं, मेरा नाम बोलो।

हां, वही तो कह रहा हूं। आप का नाम दादाजी है। मैं तो यही तो कह कर बुलाता हूं। कह कर पोता भाग गया।

इसी चिंता में वह घर के बाहर निकले तो सामने मिठाई की दुकान वाले ने 'नमस्कार' किया। बड़ी उम्मीद के साथ वह दुकान पर पहुंचे और सकुचाते हुए पूछा, भाई, तुम्हें मेरा नाम मालूम है?

जवाब में दुकानदार ने जोर से हंस कर कहा, आप भी न, सालों से आप को चाचा कहता आ रहा हूं तो आप का नाम जान कर क्या करना है।

गांव से बचपन के दोस्त का फोन आया। फोन रिसीव होते ही उसने पूछा, पप्पू मजे में है न?

उन्हें खुशी हुई, लगा कि उनका नाम पप्पू है। कन्फर्म करने के लिए पूछा तो दोस्त ने कहा, उम्र की वजह से ठीक से याद नहीं। पर पप्पू तेरी कसम, नाम तो तेरा कोई दूसरा है, पर मैं तो बचपन से तुझे पप्पू ही कहता आ रहा हूं।

दोस्त की इस बात से वह और चिढ़ गए। मैं भी कैसा आदमी हूं कि अपना नाम भी याद नहीं है। इसकी अपेक्षा तो मर जाना ठीक है।

बड़ी मेहनत से वह छत पर गए। वह छलांग लगाने जा रहे थे कि उनके फोन की घंटी बजी। फोन उठाते ही दूसरी ओर से कहा गया, रामप्रसादजी, आप को लोन चाहिए? यह सुन कर रामप्रसाद मुसकरा उठे।

जेड-436ए, सेक्टर-12,
नोएडा-201301 (उ.प्र.)
मो- 8368681336

©सरस्वती धानेश्वरभ, भिलाई, छत्तीसगढ़

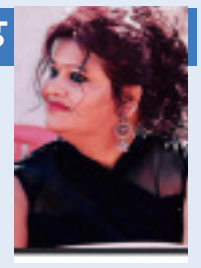

एहसास __

अलहदा है अकेले पन का सुकून,
अनोखा रहस्यमय आभास,
कई रक्तिम आभाओं को समेटे
बांधे रखता है खुद से खुद को !
कई भूली बिसरी यादें,
कुछ सिमटी सी परछाइयां,
थम सी जाती है जहन में,
दर्पण की मानिंद निहारतीं है खुद को,
दे जाती है कई सपने,
और आंखों में घूम जाती है एक सुनहरी सदी !
यादों के भंवर लेकर बदल जाते हैं मन के पलचिन्ह,
अनवरत कारवां गुज़र जाता है पहरों तक,
समय का ठहराव रुकता नही,न रूठना,
न मनाना बस अंतर्द्वंद्व का निश्छल बहते जाना !
जिज्ञासा मंद पड़ जाती है,
तृष्णा शनैः स्वतः शांत हो जाती है,
न पाना न खोना,न मिलना,न बिछड़ना,
जिंदगी का बस यूं ही चलते जाना !

डॉ. सत्यवान 'सौरभ'

हारा-थका किसान

बजते घुंघरू बैल के, मानो गाये गीत।
चप्पा-चप्पा खिल उठे, पा हलधर की प्रीत।।
देता पानी खेत को, जागे सारी रात।
चुनकर कांटे बांटता, फूलों की सौगात।।

आंधी खेल बिगाड़ती, मौसम दे अभिशाप।
मेहनत से न भागता, सर्दी हो या ताप।।
बदल गया मौसम अहो, हारा-थका किसान।
सूखे-सूखे खेत हैं, सूने बिन खलिहान।।

चूल्हा कैसे यूं जले, रही न कौड़ी पास।
रोते बच्चे देखकर, होता खूब उदास।।
ख़्वाबों में खिलते रहे, पीले सरसों खेत।
धरती बंजर हो गई, दिखे रेत ही रेत।।

दीपों की रंगीनियाँ, होली का अनुराग।
रोई आँखें देखकर, नहीं हमारे भाग।।
दुख-दर्दों से है भरा, हलधर का संसार।
सच्चे दिल से प्यार करे, ये माटी से प्यार।।

(सत्यवान 'सौरभ' के चर्चित दोहा संग्रह 'तितली है खामोश' से।)

नमिता गुप्ता मनसी, मेरठ

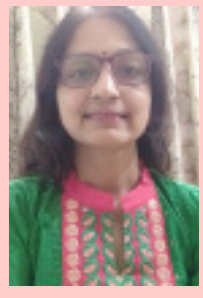

ये अधूरे प्रेम-पत्र..

हैरत की बात है न
जब भी लिखना चाहा
आसमां ने
एक प्रेम-पत्र
धरा के लिए,
कुछ लिख ही नही सका
बस, पिघल गया
बारिश बनकर,
शायद इसीलिए
धरा भी लिखती रही
सभी असंम्प्रेषित खतों के जवाब
हरी चुनर पहनकर
चुपचाप ही!!
सुनों..
इसी आपसी लिखावट में
खोजते चले आ रहे हैं
हम-तुम
अपना-अपना प्रेम
सदियों से अब तक!!
यूं भी
कितना सुखद होता है न
कभी-कभी
कुछ न लिख पाना
किसी के लिए,
और.. पढ़ा जाना
उसके द्वारा
सारा का सारा
वो अलिखा भी!!
तो हैं न कितने खूबसूरत
ये अधूरे प्रेम-पत्र
अपने संपूर्ण प्रेम के साथ!!

BNM Fantasy

Thursday
05 October 2023

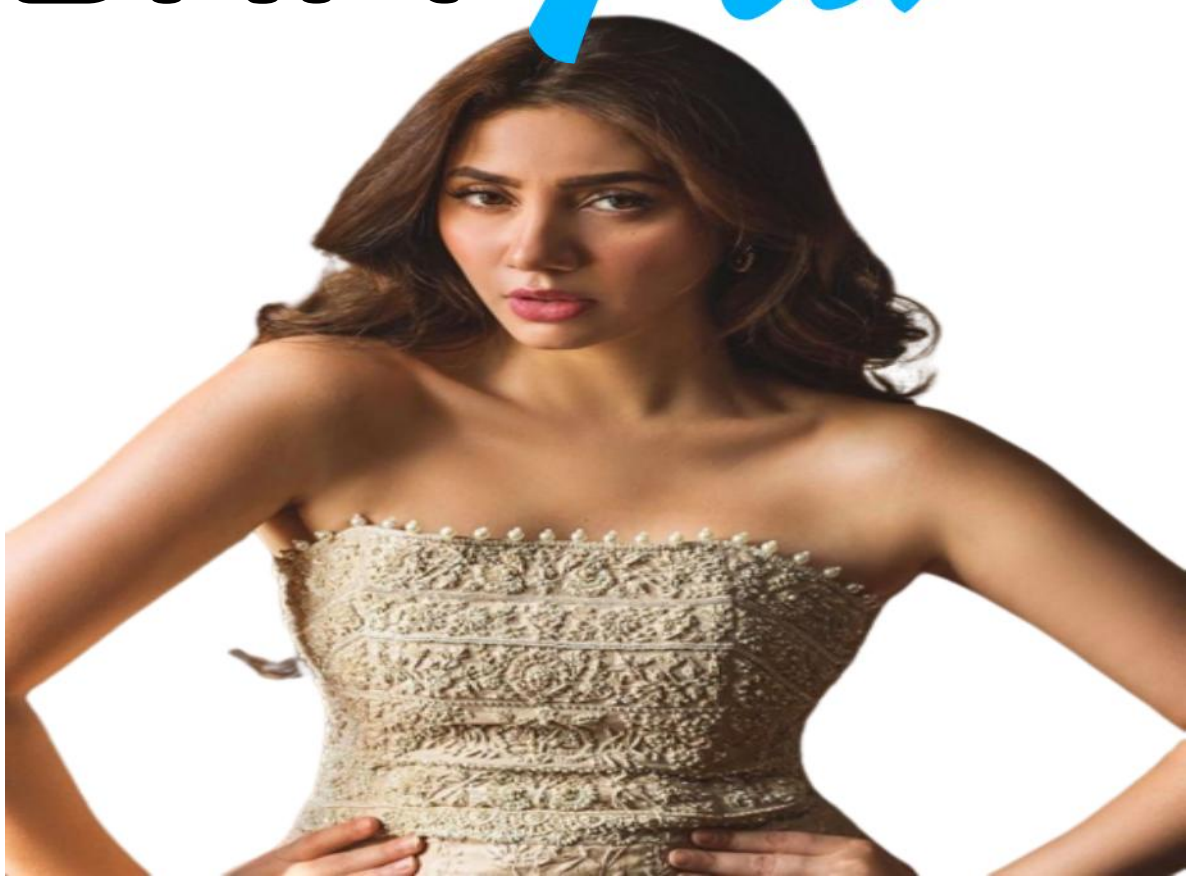

माहिरा खान ने दिखाई ड्रीमी वेडिंग की झलक

पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान, जिन्होंने शाहरुख खान की रईस से बॉलीवुड में एंट्री की थी. उनकी हाल ही में शादी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं, जिसे फैंस का खूब प्यार मिला था. दरअसल, माहिरा खान ने वीकेंड पर अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड सलीम करीम से शादी की, जिसका एक वीडियो एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है. वहीं कैप्शन में लिखा, "मेरा शहजादा, सलीम." इस वीडियो को देखते ही फैंस ने भी खूब प्यार लुटाया है. माहिरा खान की शादी के नए वीडियो में सेरेमनी के कुछ हिस्से हैं. जहां उनका बेटा अज़ान उन्हें शादी के स्टेज पर ले जाते हुए दिख रहा है.

त

'तारक मेहता' की इस एक्ट्रेस ने दिखाया बोल्ड लुक

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम एक्ट्रेस आराधना शर्मा अक्सर अपने बोल्ड और हॉट लुक को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। वह अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपना हॉट लुक फैंस के साथ बिंदास अंदाज में शेयर करती हैं। उनके बोल्डनेस वाले फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही हंगामा मचा देते हैं। आराधना शर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी अनगिनत हॉट और बोल्ड तस्वीरें हैं। अब हाल ही में उन्होंने एक बार फिर सोशल मीडिया पर अपनी हॉट वीडियो और बोल्ड बिकिनी लुक में कई तस्वीरें शेयर की हैं।आराधना शर्मा ने बीते दिन यानी 3 अक्टूबर, 2023 को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह पिंक कलर की बिकिनी पहने स्विमिंग करते हुए नजर आ रही हैं। इस बिकिनी वीडियो को शेयर करते हुए आराधना ने कैप्शन में लिखा 'मैं क्रेजी हूं, लेकिन तुम्हें वह पसंद है'। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का ये बोल्ड लुक देखने के बाद उनके फैंस भी काफी क्रेजी होते हुए नजर आ रहे हैं।इससे पहले आराधना ने पूल के किनारे और उसके अंदर बैठकर बोल्डनेस का जलवा दिखाते हुए अपनी प्रिंटेड बिकिनी में बोल्ड तस्वीरें शेयर की थीं। आराधना का यह लुक उनके फैंस को काफी पसंद आया था। इस दौरान एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर भी फ्लॉन्ट करते हुए नजर आईं। एक्ट्रेस सिर्फ अपने बिकिनी लुक में ही नहीं, बल्कि वेस्टर्न और एथनिक लुक को भी काफी शानदार तरीके से कैरी करते हुए नजर आती हैं।

आलिया भट्ट ने शुरू की 'जिगरा' की शूटिंग

बहन शाहीन भट्ट भी सेट पर आईं नजर

हिंदी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें आलिया भट्ट का नाम जरूर शामिल होगा। अपनी शानदार अदाकारी के दम पर आलिया भट्ट किसी भी फिल्म को हिट कराने का मादा रखती हैं। हाल ही में आलिया की अपकमिंग मूवी 'जिगरा' का अनाउंसमेंट प्रोमो वीडियो सामने आया है, जिसे देखने के बाद फैंस की उत्सुकता काफी बढ़ गई है। इस बीच अब आलिया ने इस मूवी की शूटिंग का शुरू कर दिया है और सेट से सीधे लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है। आलिया भट्ट अपनी कमाल की एक्टिंग के लिए काफी जानी जाती हैं। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर आलिया काफी एक्टिव रहती हैं। इस बीच आलिया ने बुधवार को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है। इन फोटो को साझा करते हुए एक्ट्रेस ने ये जानकारी दी है कि उन्होंने 'जिगरा' फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। आलिया की इन फोटो में आप देख सकते हैं कि वह 'जिगरा' के सेट पर नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में इस दौरान आलिया भट्ट मेकअप रूम में अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ दिखाई दे रही हैं, जबकि अन्य फोटो में आलिया नो मेकअप लुक से हर किसी का दिल जीत रही हैं। इन तस्वीरों के साथ आलिया ने कैप्शन में लिखा है-"और फाइनली हमने जिगरा फिल्म की शूटिंग को शुरू कर दिया है। आज शूटिंग का पहला दिन रहा और शानदार अनुभव लेकर आया। उम्मीद है शांति और दिल की भावनाओं के साथ हमारी ये जर्नी आगे बढ़ेगी।" इस तरह से आलिया ने 'जिगरा' की शूटिंग शुरू करने के अनुभव को साझा किया है।बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म 'जिगरा' का निर्माण किया जा रहा है। करण के साथ आलिया की ये एक और फिल्म होगी। इससे पहले आलिया ने करण की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, कंलक, डियर जिंदगी, कपूर एंड सन्स, ब्रह्मास्त्र और हप्टी शर्मा की दुल्हनियां' जैसी फिल्मों में काम किया है।मालूम हो कि धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से आलिया ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।